● **पढ़ो और समझो :**

३. भाई-भाई का प्रेम

मनोहरपुर नामक एक सुंदर गाँव था । गाँव की मिट्टी बहुत उपजाऊ थी । अतः गाँव के अधिकांश लोग खेती किया करते थे । इसी मनोहरपुर में दो भाई रहते थे । दोनों किसान थे । उनके घर अलग-अलग थे पर दोनों में बड़ा प्रेम था । दोनों भाई हमेशा एक-दूसरे की भलाई की बात सोचा करते थे ।

इस वर्ष पूरे गाँव में फसल अच्छी हुई थी । कटाई हो चुकी थी । खलिहान में सबके अनाज के ढेर लगे थे । एक दिन रात में बड़ा भाई लेटे-लेटे सोचने लगा, 'मेरे दो बच्चे हैं । वे गृहस्थी में मेरी कुछ-न-कुछ मदद करते ही हैं । मेरे छोटे भाई के बाल-बच्चे नहीं हैं । उसे सारा काम अकेले ही सँभालना पड़ता है । इसलिए मुझे उसकी सहायता करनी चाहिए ।' यह सोचकर वह उठा और खलिहान में गया ।

खलिहान में अपने अनाज के ढेर से उसने दस गठरी अनाज बाँधा । उनमें से एक गठरी सिर पर रखकर छोटे भाई के ढेर की ओर बढ़ा ।

ठीक उसी समय छोटा भाई भी अपने घर में बैठा सोच रहा था, 'मैं जवान हूँ । जितना चाहे उतना काम कर सकता हूँ, जहाँ चाहूँ

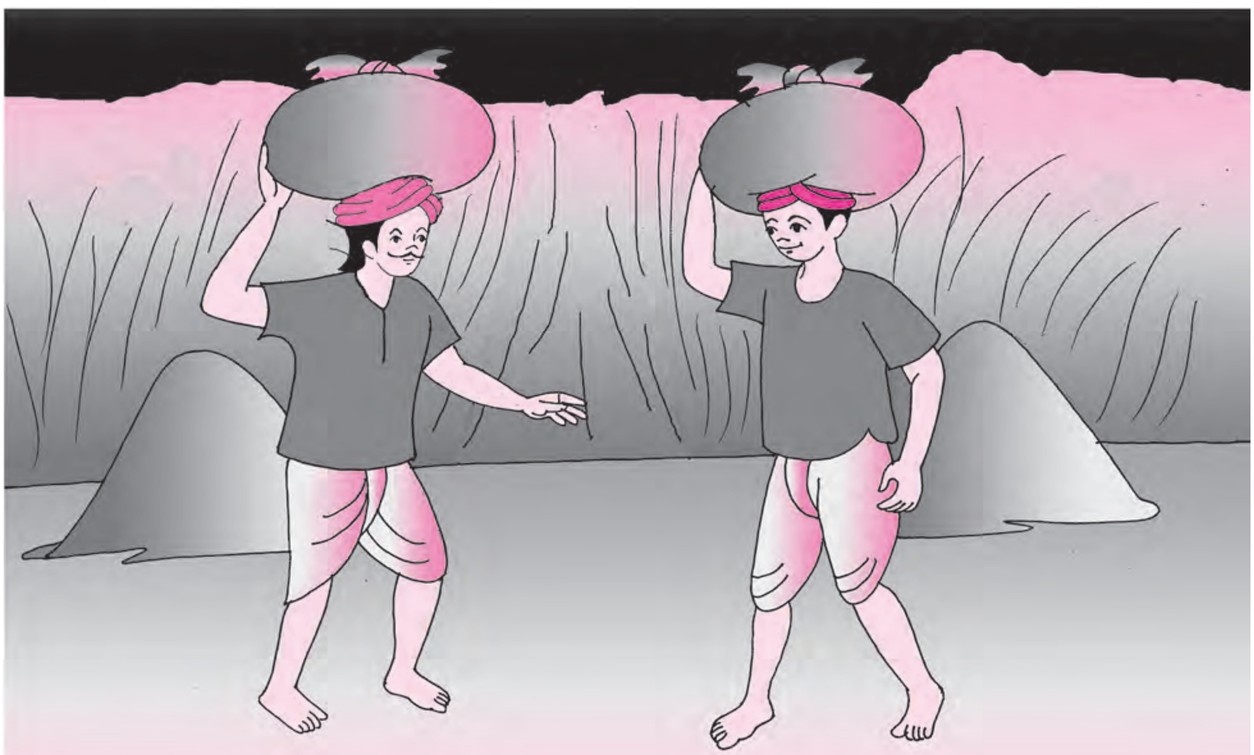

❑ विद्यार्थियों को कहानी उचित हाव-भाव और उच्चारण के साथ सुनाएँ । कहानी छोटे-छोटे अंशों में बाँटकर दोहरवाएँ । पाठ में आए प्रसंगों पर चर्चा करें । उनसे सामूहिक, गुट एवं एकल वाचन करवाएँ । 'दूसरों को देने' की खुशी पर उनसे चर्चा करें ।

जा सकता हूँ । किसी कारणवश यदि खेती में फायदा नहीं हुआ तो कोई दूसरा काम कर लूँगा । मेरा खर्च कम है लेकिन मेरे बड़े भैया तो बाल-बच्चेवाले हैं । घर गृहस्थी के खर्च अधिक हैं । इसलिए मुझे उनकी सहायता करनी चाहिए ।' वह भी उठा और खलिहान में गया ।

खलिहान में अपने अनाज के ढेर में से उसने भी दस गठरी अनाज बाँधा । उनमें से एक गठरी सिर पर उठाकर बड़े भाई के ढेर की ओर बढ़ा ।

अँधेरी रात थी । हाथ को हाथ भी दिखाई न देता था । इस वातावरण में दोनों भाई धीरे-धीरे एक-दूसरे के अनाज के ढेर की ओर बढ़ रहे थे । अचानक वे एक-दूसरे से टकरा गए । दोनों चौंककर एक साथ बोले, ''कौन है ?''

दोनों भाइयों ने एक-दूसरे को देखा । उनके सिर पर अनाज की गठरियाँ थीं । दोनों समझ गए ।

बड़े भाई ने कहा, ''छोटे ! तुम्हारी मदद करने वाला कोई नहीं है । खेती का सारा काम तुम्हें अकेले सँभालना पड़ता है । मैंने सोचा कि तुम्हारे पास अनाज अधिक होगा तो अधिक दिन तक घर चलेगा इसलिए मैं खलिहान से अनाज तुम्हारे ढेर में डालने जा रहा था ।'' ''भैया ! आप बाल-बच्चेवाले हैं । आपके खर्च अधिक हैं । आपको अधिक मात्रा में अनाज की आवश्यकता होती है इसलिए मैं खलिहान से अनाज आपके ढेर में डालने जा रहा था ।''

अपनी बात कहते-सुनते दोनों भाइयों की आँखें भर आईं । दोनों रोते हुए एक-दूसरे के गले लग गए ।

दोनों भाइयों के प्रेम की यह कहानी आज भी लोग भाव-विभोर होकर सुनते-सुनाते हैं ।

पढ़ो और समझो :

१. सप्रेम – प्रेम – प्रेमभरा । २. प्रतिदिन – दिन – दैनिक ।
३. विज्ञान – ज्ञान – ज्ञानी । ४. अदृश्य – दृश्य – दृश्यमान ।

❑ विद्‍यार्थियों को उदाहरण द्‍वारा उपसर्ग और प्रत्यय समझाएँ । पाठ्‍यपुस्तक से उपसर्ग, प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढ़कर कहलवाएँ । इन शब्दों की सूची बनवाएँ । भाषाई खेल के माध्यम से दृढ़ीकरण करवाएँ । उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनवाएँ ।